भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

रु. 100

ONE HUNDRED RUPEES

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

महाराष्ट्र MAHARASHTRA

AU 111304

मैं आप के बीच में से ही एक हूँ। विविध संगठनों में कार्यरत मज़दूर, कर्मचारी, बुद्धीजीवी, इ. ने मुझे लोगों के जनहित मांगपत्र के समर्थन में लड़ने के लिए खड़ा किया है।

मेरी आकांक्षाएं इस मतदार संघ के बहुसंख्य लोगों के जैसी ही हैं।

pfy,] d/k l d/kk feykdj ge viu liuk dk lkdkj dj!

blhfy;s e>] l;dkr f'kxs dk] viuk er ndj pu! cVjh Vkp dk cVu nck,!

ई मेलः lrs_mumbai@yahoo.com

वेब साईटः www.mumbai.lokraj.org.in

संपर्कः 9820119317, 9821410105, 23082008

ऑफिस का पताः 59 डॉ. आंबेडकर सदन, ना•म•जोशी मार्ग, मुंबई–13.

घोषणा पत्र घोषणा पत्र घोषणा पत्र घोषणा पत्र

मुम्बई दक्षिण लोक सभा चुनाव क्षेत्र

उम्मीदवारः

सुर्यकांत शिंगे

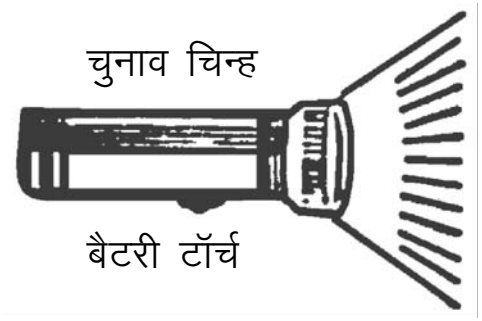

सुर्यकांत शिंगे को अपना मत देकर चुनें!
बैटरी टॉर्च का बटन दबाए!

उम्रः 41 वर्ष शिक्षाः बी. ए. व्यवसायः गारमेंट मज़दूर (लोक राज संगठन, लड़ाकू गारमेंट मज़दूर संघ, लड़ाकू मज़दूर यूनियन में सक्रीय तथा सामाजिक कार्यकर्ता)

प्रकाशकः शेखर कापुरे, 59 डॉ. आंबेडकर सदन, ना•म•जोशी मार्ग, मुंबई 13

मुद्रकः निकेडा आर्ट प्रिंटर्स (प्रा.) लि., कांजूर इंडस्ट्रीयल इस्टेट, भांडुप (प.), मुंबई 400078 मुद्रित संख्याः 10,000 16 अप्रैल 2009

प्रिय नागरिकों,

बड़ी खुशी के साथ मैं लोक सभा के मुम्बई दक्षिण चुनाव क्षेत्र के उम्मीदवार बतौर आप के सामने आ रहा हूँ। उम्मीदवार के रूप में मेरा चयन कई संगठनों ने किया है। इसलिए मैं विनम्रता से कहता हूँ कि मैं सही मायने में लोगों का उम्मीदवार (पीपल्स कँडिडेट) हूँ।

p;udrk lxBu

लोक राज संगठन, लड़ाकू गारमेंट मज़दूर संघ, लड़ाकू मज़दूर यूनियन, कामगार एकता चळवळ, पुरोगामी महिला संगठन, हिन्द नौजवान एकता सभा और हिन्दोस्तान की कम्युनिस्ट गदर पार्टी

लोक राज संगठन के आमंत्रण पर अनेक संगठनों ने मिलकर जनता का, जनता के लिए, जनहित मांगपत्र, चुनावों की घोषणा के पहले तैयार किया था। इन संगठनों का मत है कि बड़े पूँजीपतियों और बड़े व्यापारियों की भलाई आम जनता को लूटकर ही हो सकती है, और अगर सच में आम जनता की भलाई करनी है तो जनता की लूट–खसोट बंद करना अनिवार्य है। उन्होंने यह ऐलान किया कि जो भी उम्मीदवार इस मांगपत्र के लिए लड़ेगा, वे उसका समर्थन करेंगे।

e bl tufgr ekxi= dk ykx dju d fy, opuc) gA

tufgr ekxi= dk leFku djuoky lxBu%

लोक राज संगठन, हिन्दोस्तान की कम्युनिस्ट ग़दर पार्टी, सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ इंडिया, लड़ाकू गारमेंट मज़दूर संघ, लड़ाकू मज़दूर यूनियन, एयरपोर्ट अथॉरिटी एम्प्लाईज़ यूनियन, आवामी भारत, बी•एस•एन•एल• लेबर एण्ड कॉन्ट्रेक्ट लेबर यूनियन, बांधकाम कामगार संघटन समिति, गिरणी कामगार संघर्ष समिती, हिन्द नौजवान एकता सभा, जागृत घर कामगार संघटन, कामगार एकता चळवळ, महाराष्ट्र भटके विमुक्त जाति जमाति संध, मुंबई बीड़ी कामगार यूनियन, पुरोगामी महिला संगठन

3. क्षेत्र के विकासहेतु कितना धन, किस लिए और कहां पर खर्च किया जाएगा, यह लोगों की समितियों के फ़ैसले के अनुसार मैं खर्च करूंगा।
4. मैं क्षेत्र की बुनियादी सुविधाओं को–पानी, घर, बिजली, शौच, सड़क, सफ़ाई, प्राथमिक स्कूलों में बेहतर शिक्षा व सुविधाएं, राशन, घासलेट, रसोई गॅस, सामुदायिक केंद्र,स्वास्थ्य केंद्र, युवाओं के खेल–कूद की सुविधाएं व सांस्कृतिक कला केंद्र को सुनिश्चित करने के लिए जनता के साथ मिलकर संघर्ष में अगुवाई दूंगा।
5. मैं मज़दूरों की वर्तमान ज़रूरतों को ध्यान में रख कर किमान वेतन तथा बुनियादी ज़रूरतों के लिए उनको संगठित करके संघर्ष में अगुवाई दूंगा।
6. मैं जाति, धर्म, लिंग, और क्षेत्रियता पर आधारित शोषण – दमन और भेदभाव के खिलाफ़, जनता के साथ मिलकर संघर्ष करूंगा।
7. मैं पुलिस ज्यादती और बिना ठोस सबूत के किसी बेकसूर व्यक्ति या समुदाय को निशाना बनाये जाने के खिलाफ़ जनता के साथ मिलकर संघर्ष करूंगा।
8. कॉंट्रॅक्ट व्यवस्था को खत्म करके सब मज़दूरों को पर्मानेंट किया जाए, इस मांग के लिए नागरिकों के साथ मिलकर अथक संघर्ष करूंगा।

vxj e mijkä ?kk"k.kkvk dk ikyu ugh djrk rk nf{k.k eEcb ykd lHkk ernkj {k= dh turk dk ;g vf/kdkj nrk g fd og e> viu in l] 5 lky l igy] dHkh Hkh okil cyk ldrh g] ;k ej bLrhQk dh ekx dj ldrh gA

ejk /;s; D;k g\

1. हर तरह के दमन, शोषण, अन्याय, अत्याचार और आतंक का अंत। ऐसे समाज के लिए लोगों को लड़ने के लिए संगठित करना।
2. लोगों में फूट डालनेवाले, उनकी भूमिका व्होट बँक तक सीमित रखनेवाले और उनको सत्ता से दूर रखनेवाले राजनीति का अंत।
3. वर्तमान राजनीतिक प्रणालि और प्रक्रिया के नवीकरण के लिए लड़ना, ताकि पार्टियों के हाथों में सत्ता न हो, लोग खुद सत्ताधारी बनें और समाज के सब महत्वपूर्ण निर्णय लेनेकी शक्ति उन्हीं के हाथों में रहे।
4. ykxksa ds chp esa ls ykd jkt lfefr;k pquh tk,] tks mEehnokjksa dk p;u djs] ftu ds Áfr Áfrfu/kh tokcnsg gksa] जिनके द्वारा नये कानून प्रस्तावित करने का अधिकार लोगों का हो, और जिनके पास कभी भी अयोग्य प्रतिनिधी को वापस बुलाने का अधिकार हो।

इस चौथे ध्येय को मैं तुरंत ही लागू करना चाहता हूँ। चुन के आने के बाद, मेरा पूरा नियंत्रण आप मतदाताओं के हाथों में सुनिश्चित रहे, इसलिए eSus dkVs ds LVEi isij ij 'kiFki= fn;k gS।

ejs 'kiFki= ds eq[; opu%

1 मुंबई की जन संगठनोंने मिलकर बनाया मांगपत्र, जो मेरे मॅनिफेस्टो के साथ लगाया है, उसे अमल में लाने के लिए मैं संघर्ष करूंगा।

2. मैं दक्षिण मुंबई कि जनता के आदेशानुसार काम करूंगा। समय समय पर जनता को अपने काम की रिपोर्ट दूंगा। जनता का हित ही मेरे लिए सब से महत्वपूर्ण होगा।

turk dk] turk ds fy,] turk }kjk cuk;k x;k tufgr ekxi=

pqus gq, lkaln dks vke turk ds fu;a=.k esa j[kus ds fy,%

1. हर वार्ड में स्थानीय समितियाँ जनता द्वारा चुनी जाए। सांसद को इन समितियों के अधीन होना चाहिए, ना कि किसी पार्टी के हाई कमांड के।
2. लोक सभा में उठाये जानेवाले मुद्दों और चर्चाओं में सांसद को अपने क्षेत्र के लोगों का मत और राय संसद में रखना चाहिए। इसके लिए उसे स्थानीय समितियों और क्षेत्र के जन संगठनों से संपर्क बनाकर रखना चाहिए। हर महत्वपूर्ण विषय पर उसे लोगो की राय और सलाह लेनी चाहिए।
3. हर एक सांसद को अपने क्षेत्र के विकास के लिए मिली रकम, लोगों की स्थानीय समितियों और लोगों के संगठनों की राय लेकर, खर्च करना चाहिए।
4. सांसद अगर संतोषजनक काम नहीं करता तो उसे वापस बुलाने का अधिकार इन समितियों को होना चाहिए।

ekSnzhd vkfFkZd lsDV esa vke turk dh j{kk ds fy, rFkk vke turk ds fgr esa vFkZ;oLFkk dh fn'kk eksM+us ds fy,%

5. अर्थ व्यवस्था की दिशा लोगों के हित में होनी चाहिए, ना कि पूंजीपतियों के मुनाफ़ें बढ़ाने के लिए! पूंजीपतियों की मदद करना बंद करो! संकट का बोझ लोगों की पीठ पर डालना बंद करो!
6. मज़दूर, किसान और सभी कामकाज़ी लोगों पर हमले करना तुरंत बंद करो!
7. उदारीकरण और निजीकरण द्वारा वैश्वीकरण की नीति को उलट दो!

jkVh] diMk] edku vkfn cfu;knh vf/kdkjk dh lfuf'prrk d fy,%

8. एक ऐसी राशन व्यवस्था प्रस्थापित करो जिस में सब के लिए अच्छे क्वालिटी का अनाज और हर तरह की जीवनावश्यक वस्तुएं, जैसे कि खाद्य तेल और इंधन, दवाइयां, लेखन सामग्री, कपड़ा, इ. वाज़िब मात्रा में ओर मुनासिब दामों पर मिलें!
9. राशन की दुकानें स्थानीय लोगों की समितियों के नियंत्रण में रखनी होंगी। अनाज और दूसरी ज़रूरतों के थोक व्यापार पर, लोगों के हित में, सरकारी नियंत्रण लाओ।
10. पानी सप्लाय के निजीकरण की कोशिशे बंद करो! मुनासिब दाम में और वाज़िब मात्रा में सब को पानी मिलना चाहिए!
11. किसी भी बहाने लोगों के घर तोड़ के निजी कंपनियों को भूमि देना बंद करो! सब को अच्छा आवास दिलाना सरकार की ज़िम्मेदारी है!
12. सब को अच्छी शिक्षा दिलाना सरकार की ज़िम्मेदारी है! सार्वजनिक शिक्षा व्यवस्था पर सरकारी खर्चा अनेक गुना बढ़ाओ! हर इलाके में अच्छे सार्वजनिक स्कूल होने चाहिए जिन में अच्छी शिक्षा मिले, जहां पीने का साफ पानी, शौचालय, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, कम्प्यूटर जैसे आधुनिक साधन, खेल के मैदान और उपकरण और मनोरंजन केन्द्र हो। लोगों के रहने के स्थान के पास ही सरकारी स्कूल हो, जो बच्चों के लिए अच्छी शिक्षा प्रदान करें।
13. सब को अच्छी स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना सरकार की ज़िम्मेदारी है! सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था पर सरकारी खर्च अनेक गुना बढ़ाओ! अस्पतालों और प्राथमिक आरोग्य केन्द्रों की संख्या कई गुना बढ़ाने की सख़्त ज़रूरत है। मेहनतकशों को दवाइयां और उपचार मुत में मिलना चाहिए।
14. सभी के लिए एक अच्छी सामाजिक यातायात व्यवस्था यानि कि

के कार्यक्रमों में और निदर्शनों में, अमरीकी डाऊ केमिकल्स कम्पनी के खिलाफ़ वारकरियों के आन्दोलन में, किसानों की ज़मीन हड़प कर देशी–विदेशी कम्पनियों को सेझ बनाने की इज़ाज़त देनेवाले सरकारों के खिलाफ़ संघर्षों में, हिन्दोस्तानी लोगों की नैसर्गिक संपत्ति लूटने में सहयोगी सरकारों के खिलाफ़ संघर्षों में, भाग लिया है।

- लोगों की और खास कर युवकों की, राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक चेतना बढ़ाने के लिए विविध सेमिनार्स, कार्यशालाएं, सांस्कृतिक और खेल कूद के फेस्टिव्हल्स का आयोजन करने में विविध संगठनों में मैं ने सक्रीय भूमिका निभाई है।

एक राजनीतिक और सामाजिक कार्यकर्ता बतौर मैंने अपने संगठनों के अनेक मुहिमों में हिस्सा लिया है, जैसे कि –

lkekT;okn d fojk/k e%

- तथाकथित 'आतंकवाद के खिलाफ जंग' के विरोध में, जिस के बहाने अमरीकी साम्राज्यवाद अफ़गाणिस्तान और इराक के खिलाफ़ जंग कर रहा है
- इराक में हिन्दोस्तानी सैनिक भेजने के खिलाफ़
- दक्षिण एशिया में अमरीकी दखलअंदाज़ी के खिलाफ़ और शांति के लिए हिन्दोस्तानी सत्ताधारी वर्ग की अमरीकी साम्राज्यवाद के साथ साँठगाँठ के खिलाफ़
- हिन्दोस्तानी सत्ताधारी वर्ग की साम्राज्यवादी चालों के खिलाफ़
- हिन्दोस्तान–पाकिस्तान, दोनों सरकारों की युद्धखोरी के खिलाफ़

vkrdokn vkj jkT; d vkrdokn d f[kykQ%

- ''पोटा'' और ''सशस्त्र बल विशेषाधिकार कानून'' जैसे काले कानूनों के खिलाफ़
- सत्ताधारी वर्ग और उसकी पार्टियों के ''फूट डोलो और राज करो'' नीति के खिलाफ़
- उन के द्वारा आयोजित धर्म, जाति, भाषा, प्रांत के आधार पर नरसंहारों के खिलाफ़
- 'गुनहगारों को सज़ा दो!'' के मुहिम में

vc rd e u D;k dke fd;k g\

dkedkth ykxk d fy,%

- ''लोक राज'' प्रस्थापित करने के लिए लोक राज संगठन जैसे विविध संगठनों में और संघर्षों में सक्रीय।
- खुद गारमेंट उद्योग में मज़दूर होने के नाते मैं जानता हूँ कि असंगठित क्षेत्र के मज़दूरों की बहुत ही बुरी हालात होती है। उनके लिए कानूनी संरक्षण नाममात्र है और अनेक यूनियनों की मालिकों के साथ मिलीभगत होती है। ठोकरें खाने के बाद हम मज़दूरों ने खुद अपनी यूनियन, ''लड़ाकू गारमेंट मज़दूर संघ'', बनायी और मालिक के साथ कैसे लड़ना है, यह खुद सीखा। यूनियन ज़्यादा ज़्यादा मज़बूत बनती गयी। हज़ारों मज़दूरों को अपने अधिकार, जैसे कि वेतन, इ. एस. आई, पी. एफ., इ. इस यूनियन के नेतृत्व में मिले।
- उसके बाद हमने लड़ाकू मज़दूर यूनियन की प्रस्थापना की, जो इन्हीं असूलों पर आधारित है। आज तक अलग अलग किस्म के मज़दूरों की, उदा. अस्पताल कर्मचारी, होटेल एवम् कॅन्टीन कर्मचारी, मॉल्स के कर्मचारी, कूरियर्स, सेक्यूरिटी, प्रेस, इ. मज़दूरों की माँगें जीती हैं।
- स्थानिक तौर पर विविध फॅक्टरियों के क्लोजर और ले ऑफ़्स के खिलाफ़, बेरोजगारी और महंगाई के खिलाफ़, कॉंट्रॅक्ट मज़दूरों के अधिकारों के लिए, आवास अधिकार के लिए और झुग्गी तोड़ के खिलाफ़, बंद गिरणी मज़दूरों के हक़ों के लिए, अच्छे और पर्याप्त मात्रा में पानी के लिए, महिलाओं पर हमले करनेवालों के खिलाफ़, इ. संघर्षों में हिस्सा लिया है।
- मैंने अपने संगठनों के प्रतिनिधी बतौर विविध संयुक्त मंचों के कार्यक्रमों और आन्दोलनों में भाग लिया है, जैसे कि नई आर्थिक नीति, यानी कि निजीकरण और उदारीकरण द्वारा वैश्वीकरण के खिलाफ़ आन्दोलन में, विश्व व्यापार संगठन के लोक विरोधी प्रावधानों के खिलाफ़ आन्दोलन में, मे दिन, आंतरराष्ट्रीय महिला दिन और आंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिनों

पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम हो जो यात्रियों के लिए सुरक्षित और आरामदायी हो।

15. उपरोक्त ज़रूरतों की पूर्ति के लिए आवश्यक निधि को इकट्ठा करने के लिए निम्नलिखित उपाय करोः
    - काला पैसा ज़ब्त करो।
    - अत्याधिक अमीरों पर कर बढ़ाओ।
    - अत्याधिक अमीरों को मदद देना बंद करो।
    - डिफेंस खर्चे में कटौति करो।

vke turk d l[k pu d fy,%

16. काम करनेवाले सब लोगों को मज़दूर बतौर मान्यता और अधिकार दो। सभी की काम करने की परिस्थिति अच्छी हानी चाहिऐ!
17. ठेकेदारी प्रणालि बंद करो और सब नौकरियां पर्मानेंट बनाओ।
18. हर तन्दुरुस्त व्यक्ति को सालाना कम से कम 300 दिन की नौकरी मिले और न्यूनतम वेतन से ज्यादा वेतन मिले।
19. हर किसी मेहनतकश, मज़दूर, कर्मचारी को प्रतिदिन 300 रुपये न्यूनतम वेतन मिले, जो बढ़ती हुई महंगाई के अनुपात में बढ़े। राज्यद्वारा इसकी गारंटी होनी चाहिए।
20. महिलाओं के लिए उनके काम के स्थानों पर शिशु पालन व्यवस्था हो, जहाँ आधुनिक तरीके से बच्चों की बेहतरीन देखरेख हो।
21. सभी को राज्य से सामाजिक सुरक्षा मिलनी चाहिए। अपाहिजों को एक सन्मानजनक व आरामदायक जीवन जीने के लिए उनकी क्षमता के अनुसार और पर्याप्त वेतन के साथ राजगार मिलना चाहिए। सब वृद्ध लोगों को मुनासिब पेंशन देना सरकार की ज़िम्मेदारी है।
22. शहरी और ग्रामीण विकास सुसंगत तरिके से हो।
23. कृषि के लिए आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर नियंत्रण रखकर और उत्पादों की पर्याप्त कीमतें सुनिश्चित करके किसानों की

सुरक्षित जीविका सुनिश्चित होनी चाहिए।

24. पर्यावरण की ठीक तरीके से परवरिश करो!
25. काम करने के घंटों पर 8 घंटों की सख़्त मर्यादा हो।
26. महिलाओं के खिलाफ़ हिंसा और बुरा व्यवहार बंद हो, चाहे उनके रहने की या काम करने की जगह पर हो, चाहे रास्ते पर हो या हो पुलिस के द्वारा। ऐसे अपराधों के गुनहगारों को कड़ी से कड़ी सज़ा दो!
27. छोटे दुकानदारों, फेरीवालों, रिक्षा और टॅक्सी चालकों पर पोलिस का दबाव और उत्पीड़न बंद करो।
28. आज विमुक्त जाति के 5 लाख लोग जो मुम्बई में रहते हैं, उनके पास ना राशन कार्ड हैं, ना ही उनके नाम मतदार सूचि में हैं। उनको हिन्दोस्तानी नागरिकों के सब अधिकार दो।

nf{k.k ,f'k;k rFkk fo'o e veu rFkk Hkkbpkj d fy,%

29. दक्षिण एशिया में अमरिकी साम्राज्यवादियों की बढ़ती दखलअंदाज़ी का विरोध करो।
30. हिन्दोस्तान और पाकिस्तान, दोनों सरकारों द्वारा युद्धखोरी का विरोध करो, क्यूं कि इस प्रकार का युद्व दोनों देशों के लोगों के हितों के विपरीत है।
31. दक्षिण एशिया व विश्व में शांति के लिए दृढ़ता से लड़ो!

Lkekftd U;k;] veu rFkk Hkkbpkj d fy,%

32. जाति, धर्म, राष्ट्रीयता, भाषा, प्रांत, इ. के आधार पर लोगों के खिलाफ़ सांप्रदायिक हिंसा भड़कानेवालों और यातनाएं देनेवालों को जल्दी से जल्दी और सख़्त सज़ा दो!
33. लोगों के अधिकार छीननेवाले सब काले कानूनों को ख़ारिज़ करो।
34. राज्य का आतंकवाद बंद करो।

ykd lHkk e pudj vku ij e D;k d:xk\

आप के सक्रीय समर्थन के साथ, उपरोक्त जनहित माँगपत्र को लागू करने के लिए मैं लड़ूँगा और संसद में आवाज़ उठाऊँगा।

मेरे निर्वाचन क्षेत्र में चालों में और झोपडियों में रहनेवाले बहुत लोग हैं। एक ऐसा समय था जब इस विभाग को ''गिरणगाव'' कहा करते थे। लेकिन मिलों को बंद कर दिया है, कामगार अपनी नौकरियां खो बैठे हैं और घर भी। पर्मानंट नौकरियों को कॉंट्रक्ट बनाया जा रहा है। गारमेंट कामगार, जो पीस रेट पर काम करते हैं, उनकी परिस्थिति लगातार गिरती जा रही है।

मैं इन सबके लिए लड़ना चाहता हूं ताकि उनकी नौकरियां सुरक्षित तथा पर्मानंट हो, किसी भी बहाने से उनके घर ना उजाड़े जाए, उनको अपने सब ड्यूज और मुआवज़ा मिले। संगठित तथा असंगठित क्षेत्र के मज़दूरों के अलावा अन्य लोगों के संघर्षों में पुरजोर लड़ूँगा।

मैं अपने क्षेत्र के लोगों के पानी और साफसफाई के लिए लड़ूंगा। जिनको चाहिए उन सब के लिए राशन की दुकानों में अच्छे क्वालिटी का और पर्याप्त मात्रा में गेहु चावल और घासलेट मिले, इसके लिए लड़ूंगा।

जो संगठन और नेता लोगों के बीच फूट डालते हैं और लागों को आपस बीच लड़वाते हैं, उनके खिलाफ़ मैं लोगों को संगठित करूंगा। मेरे निर्वाचन क्षेत्र में रहनेवाले अनेक मुसलमान इस मामले में पीड़ित है। पुलिस की ज्यादती के शिकार बनते हैं। हाल ही में उत्तर भारतियों को भी निशाना बनाया गया था।

इसके अलावा सांसद को जितने फंड मिलते हैं, उन्हें मेरे निर्वाचन क्षेत्र के लोगोंकी सलाह के अनुसार मैं खर्च करूंगा और समय समय पर उसका हिसाब पेश करूंगा।